Psychology Hons.
B.A. Part - 1st
Paper 1st

B.A-Part-I - PAPER-I (1)

Perception. (प्रत्यक्षीकरण).

Q- प्रत्यक्षीकरण क्या है। प्रत्यक्षीकरण की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।
(What is Perception. Describe the main characteristics of Perception)

Ans:- प्रत्यक्षीकरण एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति को उपस्थित उद्दीपनों का ज्ञान होता है।
अतः प्रत्यक्षीकरण को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि एक व्यक्ति जटिल संज्ञानात्मक मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा वातावरण में उपस्थित उद्दीपक का तात्कालिक ज्ञान होता है।
गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक उपयुक्त विचारधारा से सहमत नहीं है। उन्होंने वुण्ट (Wundt) और Titchener का विरोध किया और कहा कि 'प्रत्यक्षीकरण, संवेदना और अर्थ का योग मात्र नहीं है। बल्कि यह एक प्रारम्भिक एवं संगठित क्रिया है। आधुनिक परिभाषाओं इसी मान्यता पर आधारित है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रत्यक्षीकरण की जो परिभाषाओं दी गई है उनमें से मुख्य है।
Collince and Drever के अनुसार—
"Perception is the immediate apprehension of an object or situation affecting one or all of the Sense organs by way of Sensation."
प्रत्यक्षीकरण की ऊपर दी गई परिभाषाओं परिभाषाओं का विवेचन करने पर इसकी निम्नलिखित विशेषताओं स्पष्ट होती है।

(1) जटिलता (Complexity) — प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है प्रत्यक्षीकरण को जटिल इसलिए कहा जाता है कि इसमें कई उप-प्रक्रियाओं शामिल होती है जैसे- ग्राहक प्रक्रिया, प्रतीकात्मक प्रक्रिया, एकीकरण की प्रक्रिया आदि। किसी भी उद्दीपक के प्रत्यक्षीकरण में सभी प्रक्रियाएं शामिल होती है।

(2) ज्ञानात्मक (Cognitive) प्रत्यक्षीकरण एक ज्ञानात्मक मानसिक प्रक्रिया है क्योंकि इसके द्वारा हम

Scanned with CamScanner

②

उद्दीपनों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।
जैसे- किताब एवं कलम को देखने पर उसके बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

③ संगठन (Organization) - प्रत्यक्षीकरण में संगठन की विशेषता पाई जाती है। किसी वस्तु का प्रत्यक्षीकरण हमेशा संगठित होता है जैसे- किसी फूल की विभिन्न-भिन्न पंखुड़ियों का भाग अलग-अलग नहीं होता है बल्कि एक ही साथ एक फूल के रूप में होता है। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक ने प्रत्यक्षीकरण की इस विशेषता पर अधिक बल दिया है। इसकी पूरी व्याख्या आगे गेस्टाल्टवाद के संदर्भ में की जाएगी।

④ चयनात्मक प्रक्रिया (Selective Process) - व्यक्ति हमेशा अनेक प्रकार की उद्दीपनों से घिरा रहता है। परन्तु सभी उद्दीपनों का प्रत्यक्षीकरण नहीं करता है क्योंकि अपनी अभिवृत्ति, प्रेरणा तथा उद्दीपन के गुणों के आधार पर उसका प्रत्यक्षीकरण करता है। इसके लिए चयनात्मक शब्द की मानसिक प्रक्रिया मानते हैं।

⑤ आकार और पृष्ठभूमि - (Figure and back-ground) प्रत्यक्षीकरण में आकार और पृष्ठभूमि का गुण होता है। इस संबंध में Rubin ने अनेक प्रयोगात्मक अध्ययन किया है तथा आकार और पृष्ठभूमि की अनेक विशेषताओं का वर्णन किया है। उन्होंने कहा कि आकार और पृष्ठभूमि के बीच गत्यात्मक संबंध होता है एक ही वस्तु कभी आकार तथा कभी पृष्ठभूमि के बीच गत्यात्मक संबंध होता है एक ही वस्तु कभी आकार तथा कभी पृष्ठभूमि का स्थान लेता है। जैसे- आकाश में यदि रात के समय चाँद को देखते हैं तो चाँद आकार का स्थान लेता है और आकाश पृष्ठभूमि का।

Scanned with CamScanner

③

(6) स्थिरता - (Constancy) - प्रत्यक्षीकरण में स्थिरता का गुण भी पाया जाता है। जब वस्तु की दूरी में परिवर्तन होता है तो आँखों की रेटिना पर बनने वाले बिम्ब में भी अन्तर होता है। लेकिन प्रत्यक्षीकरण में कुछ हद तक स्थिरता देखी जाती है। जैसे- एक साइकिल को हम निकट से देखते हैं और फिर दस फीट की दूरी से देखते हैं तो उसके आकार में अन्तर मालूम नहीं होता है।

(7) पूर्ण तथा अंश - (Whole vs Part) किसी वस्तु के प्रत्यक्षीकरण में सम्पूर्णता या समग्रता (Wholeness) का लक्षण देखा जाता है वस्तु का प्रत्यक्षीकरण संगठित रूप में होता है। इस सम्बन्ध में यह भी याद रखना चाहिए कि वह संगठन वस्तु के भिन्न-भिन्न अंशों या भागों का समग्र रूप है। वस्तु की इस समग्रता में कुछ ऐसी विशेषता पाई जाती है जो वस्तु के किसी भी भाग या अंश में नहीं पायी जाती है।

स्पष्ट है कि प्रत्यक्षीकरण की परिभाषा के संबन्ध में अलग-अलग मनोवैज्ञानिकों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किया है। इन परिभाषाओं के आधार पर प्रत्यक्षीकरण की अनेक विशेषताओं पर प्रकाश पड़ता है।

Scanned with CamScanner